DR Krishnadeo kumar bharti
Assistant professor (G.T)
Dept of Political science
C.M.j College Donwarihat
Khutauna, Madhubani
Email---Kdkbharti08@gmil.com
B.A Part-- 3- Date--21-07--2020
Mo.No--9234999361.

बजट की परिभाषा दीजिए तथा एक अच्छे बजट निर्माण के सिद्धन्तों की विवेचना करें।*(Define Budget and explain the principales of preparing any sound budget.)*

किसी भी देश की वित्तीय व्यवस्था का आधार स्तम्भ 'बजट'होता है।बजट की उचित व्यवस्था से ही आर्थिक व्यवस्था सुदृढ़ रह सकती है।बजट शब्द फ्रांसीसी भाषा के शब्द बूजट से बना है, जिसका अर्थ चमड़े का थैला होता है।इंग्लैण्ड का चांसलर ऑफ एक्सचेकर अपने कागज आदि एक चमड़े के बैग में लेकर कॉमन्स सभा में जाया करता था।सदन में जाकर वह अपना थैला खोलता और सभी कागजात सदन के सामने रखता था।इस प्रकार उस सम्बन्ध के फलस्वरूप बजट से तात्पर्य वार्षिक वित्तीय प्रस्तावों के कागजात से समझा जाने लगा।इस शब्द का वर्तमान अर्थ में पहली बार प्रयोग वालपोल ने किया।*1773* की वित्तीय वार्षिक आयोजन पर लिखी गयी व्यंग्य कविता *"Open the Budget"* मे हुआ था।इस तरह बजट शब्द ब्रिटेन की देन है।

वास्तव में, बजट एक ऐसा विवरण है जिसमें आगामी वर्ष में शासक कितना व्यय करेगा तथा करों के माध्यम से कितनी आय होगी, इसका विवरण रहता है। बजट की परिभाषा विभिन्न विद्वानों ने अपने-अपने ढंग से दी है----

रीन स्टोर्म के अनुसार--बजट एक ऐसा लेख पत्र है जिसमें सार्वजनिक आय तथा व्यय की एक प्रारंभिक अनुमोदित योजना दी हुई होती है

जे.जेज.के अनुसार--बजट सम्पूर्ण सरकारी प्राप्तियों तथा खर्चों का एक पूर्वानुमान तथा अनुमान है और कुछ प्राप्तियों का संग्रह करने तथा खर्चों को करने का आदेश अथवा प्राधिकार है।

लेराय ब्लूलिओ के अनुसार-----बजट एक निश्चित अवधि के अन्तर्गत होने वाली अनुमानित प्राप्तियों तथा खर्चों का एक विवरण है।

बजट की सबसे अच्छी परिभाषा प्रो.विलोवी ने दी है, उनके अनुसार---"बजट एक प्रलेख होता है या कम से कम उसे एक ऐसा प्रलेख होना चाहिए जिसके द्वारा मुख्य कार्यपालिका कर लगाने और निधियों की मंजूरी देने वाली संस्था के सम्मुख प्रस्तुत होती हो और इस सम्बन्ध मे पूरा विवरण देती हो कि उसने या उसके अधीनस्थ कर्मचारियों ने पिछले वर्ष किस प्रकार प्रशासनिक व्यवस्था की, जिसमें वह सरकारी कोष की मौजूदा हालात बताती हो और इस प्रकार की जानकारी के आधार पर आगामी वर्ष का कार्यक्रम निश्चित करती हो और उस कार्यक्रम का वित्तीय व्यवस्था के सम्बन्ध मे प्रस्ताव रखती हो।"

अच्छे बजट का सिद्धन्त----

बजट चूंकि वित्तीय और कार्य प्रबन्ध का एक प्रभावकारी साधन है, इसलिए उसे बजट निर्माण के सिद्धान्तों के अनुरूप होना चाहिए।बजट निर्माण के कोई नपे तुले सिद्धन्त नहीं है किन्तु देशों के लम्बे अनुभव के आधार पर निम्नलिखित सिद्धन्त बनाये गए हैं----

*1.*बजट संतुलित होना चाहिए---बजट निर्माण का एक प्रथम तथा स्वस्थ सिद्धन्त यह है कि आय एवं व्यय के मध्य संतुलन होना चाहिए।जितना व्यय करने का प्रस्ताव हो उतनी ही आमदनी का प्रस्ताव भी होना चाहिए।बचत के बजट के निर्माण का परिणाम यह होगा कि जो आमदनी के प्रस्ताव होगें, उनको कम करना होगा, ऐसी स्थिति में शासन नये कार्य नहीं कर सकता, क्योंकि यह प्रगति एवं उन्नति का मार्ग अवरूद्ध कर देगा।कभी कभी बजट में घाटा उत्पन्न होना स्वाभाविक भी है और विशेषकर उस देश में जहाँ विकास सम्बन्धी कार्य चल रहा हो, परन्तु हमेशा घाटा चलना राष्ट्र के जीवन के लिए हानिकारक है।

*2.*बजट निर्माण का उत्तरदायित्व कार्यपालिका का होना चाहिए----बजट निर्माण का कार्य विधानमंडल द्वारा न होकर कार्यपालिका द्वारा सम्पन्न होना चाहिए।चूंकि प्रशासन चलाने का उत्तरदायित्व कार्यपालिका का होता है अतः कितने कोष की आवश्यकता होगी यह बताने मे वही अधिक सक्षम है।अतः मुख्य कार्यपालिका की देखरेख में बजट तैयार किया जाना चाहिए।

*3.*विधानमंडल का नियंत्रण-----राजकीय धनराशि के विधानमंडल द्वारा नियंत्रण के लिए यह आवश्यक है कि बजट का निर्माण नेट पोजीशन पर न होकर ग्रॉस आय एवं व्यय पर होना चाहिए।बजट में आय तथा व्यय का पूर्ण विवरण होना चाहिए और उस धनराशि का भी विवरण होना चाहिए जिसकी माँग विधानमंडल से की गई है।

*4.*वार्षिक बजट----आय व्यय का पत्रक एक वर्ष की अवधि के लिए होना चाहिए।भारत में यह एक वर्ष के लिए होता है तथा अमेरिका के कुछ राज्यों में दो वर्ष के लिए। लगभग सभी देशों में यह नियम स्वीकार किया जाता है कि एक वर्ष के लिए आय और व्यय विधानमंडल के द्वारा स्वीकृति किये जाने से विधानमंडल का शासन पर समुचित नियंत्रण बना रहता है।

5. बजट निर्माण का स्वरूप लोक लेखा के अनुरूप होना चाहिए----लोक लेखा के लिए एक निश्चित स्वरूप होता है।उसी स्वरूप के अनुरूप ही बजट बनाया जाना चाहिए। विधानमंडल मे बजट के रखें जाने से लेकर उसके पारित होने तक काफी समय रहता है।

*6.*बजट स्पष्ट होना चाहिए----बजट इतना स्पष्ट होना चाहिए कि सरलता से सामान्य जनता की समझ में आ जाये।कोई संदिग्धता नजर नहीं आना चाहिए।

आगे, धन्यवाद।

2020-07-21
From vivo Note

Scanned with CamScanner